भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी)
दण्डकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी

प्रेस विज्ञप्ति

28 जनवरी 2013

छत्तीसगढ़ राज्य में रमनसिंह सरकार आदिवासियों पर बर्बरतापूर्ण हमला कर रही है। विगत तीन महीनों से बस्तर के गांव और खलिहान सरकारी सशस्त्र बलों के लौह जूतों तले रौंदे जा रहे हैं। हाल ही में, एसटीएफ, सीआरपीएफ, डीएफ, सीएएफ और कोबरा कमाण्डो की संयुक्त कार्रवाई में नक्सलवादियों के एक कैम्प को ध्वस्त करने का दावा किया गया। घटनास्थल से भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री, बंदूकें, नक्सली साहित्य, राशन और अन्य सामग्री बरामद होने का दावा करते हुए पुलिस ने मीडिया में बड़ा प्रचार कर दिया है। लेकिन हकीकत इसके विपरीत है।

20 से 23 जनवरी तक सरकारी सशस्त्र बलों ने बीजापुर जिले के पिड़िया और डोडी तुमनार गांवों में आतंक का तांडव मचाया है। लगभग 1200 सीआरपीएफ, डीएएफ, सीएएफ, एसटीएफ और कोबरा बलों ने गंगलूर व बासागुड़ा की ओर से 8 बैचों में आकर गांवों पर हमला किया। जनता पर अंधाधुंध गोलीबारी की। मोर्टार के गोले दागे। शहीद स्मारकों को राकेट लांचरों से ध्वस्त किया। 20 घरों को जला दिया। जनता के लाखों रुपए मूल्य के धान, चावल, कुटकी, दालें, कपड़े जैसे आवश्यक सामानों को जलाकर राख कर दिया गया। खाना बनाने के बरतन, पानी की गुंडी, थाली, गंज आदि को तहस–नहस कर दिया गया। 500 मुर्गों व 2 बकरों को पुलिस ने खा डाला। केला और सब्जियों के खेतों को नष्ट कर दिया। सालों की मेहनत से जनता ने अपने घरों में जो कुछ जमा करके रखा था उन सबको ध्वस्त कर दिया।

हमारी पार्टी के नेतृत्व में जनता ने दण्डकारण्य के कई गांवों में अपनी क्रांतिकारी जनताना सरकार का गठन कर लिया। इसके तहत जनता खुद ही अपने–अपने गांवों में स्कूलों व आश्रमशालाओं का निर्माण कर अपने बच्चों को शिक्षित कर रही है। पर जनविरोधी सरकारों को जनता की यह पहलकदमी रास नहीं आ रही है। जपमरका, डोडी तुमनार और पिडिया गांवों में जनता द्वारा संचालित आश्रमशालाओं को पुलिस बलों ने जला दिया। आश्रम में रखी हुई बच्चों की किताबों, पहनने–ओढ़ने के कपड़ों, सोने के गद्दों, दाल, चावल आदि सभी खाने की चीजों को जला दिया गया। पर पुलिस इसे मीडिया के जरिए इस रूप में प्रचारित कर रही है कि उसने एक नक्सली कैम्प को ध्वस्त कर दिया। एक ओर सरकार दंतेवाड़ा में एजुकेशन हब आदि का गठन का ढिंढ़ोरा पीटते हुए आदिवासियों में शिक्षा का प्रसार बढ़ाने के दावे करती है, वहीं दूसरी ओर जनता की अपनी पहलकदमी से संचालित इस तरह के स्कूलों को वह पुलिस बलों के जरिए ध्वस्त भी करवाती है। उसके आदिवासी विरोधी चरित्र को समझने के लिए इससे बेहतर उदाहरण और क्या हो सकता है?

इसके अलावा फर्जी मुठभेड़ों में लोगों की हत्या करने का सिलसिला भी बेरोकटोक जारी है। 2 नवम्बर 2012 को बीजापुर जिले के नूकनपाल पंचायत के बोगला में माडवी हिड़मा को, 4 नवम्बर को गोंगला गांव में गालि पन्नालाल को और 17 दिसम्बर को गांव कचलारम में पोड़ियम बुधराम को पुलिस ने गोलियों से मारकर मुठभेड़ की कहानियां गढ़ दीं। आंध्रप्रदेश और छत्तीसगढ़ के पुलिस बलों द्वारा संयुक्त रूप से दमन व गश्त अभियान चलाए जा रहे हैं। नवम्बर 2012 से बीजापुर और सुकमा जिलों में भद्रकाली, ऊसूर, पामेड़, चेरला, गोल्लापल्ली और कोंटा इलाकों में गश्त, सर्चिंग और कूम्बिंग अभियान लगातार जारी है। इस दमन आपरेशन के दौरान दोनों राज्यों के विशेष कमाण्डो दस्तों के अलावा, कोबरा बलों, एमआई–17 किस्म के हेलिकाप्टरों, यूएवी – टोही विमान आदि का प्रयोग किया गया। केन्द्र और राज्य सरकारें एक सैनिक अभियान के रूप में ही यहां पर दमनात्मक कार्रवाइयों को अंजाम दे रही हैं।

19 जनवरी 2013 को सुकमा जिले के तिमेलवाड़ा के पास सेना के एमआई–17 हेलिकाप्टर ने हमारे पीएलजीए बलों पर फायरिंग की थी। तब हमारे साथियों ने आत्मरक्षा में हेलिकाप्टर के ऊपर फायरिंग की। इस बहाने सरकारों ने हजारों सशस्त्र बलों को दोरनापाल, तिमेलवाड़ा और चिंतागुफा इलाकों में भेजकर पूरे क्षेत्र को सैन्य छावनी में तब्दील कर दिया। कई लोगों को उठा ले जाकर अभी भी यातनाएं दी जा रही हैं।

अतः हम लोकतंत्रवादियों, मजदूरों, किसानों, शिक्षकों व छात्रों से अपील करते हैं कि केन्द्र की यूपीए सरकार और छत्तीसगढ़ की रमन सरकार द्वारा आपरेशन ग्रीनहंट के नाम पर चलाए जा रहे समन्वित सैनिक अभियान की कड़ी निंदा करें। बड़े कार्पोरेट घरानों और बहुराष्ट्रीय कम्पनियों के हितों के लिए ही आदिवासी जनता पर यह बर्बर दमन अभियान चलाया जा रहा है। लोगों का बड़े पैमाने पर विस्थापन किया जा रहा है

ताकि यहां की जमीन के अंदर मौजूद अनमोल खनिज सम्पदा को टाटा, एस्सार जैसे बड़े कार्पोरेट घरानों के हवाले कर दिया जा सके। इस बर्बर दमन अभियान के खिलाफ हमारी पार्टी जनता के सक्रिय सहयोग से प्रतिरोधी कार्रवाइयों को तेज करेगी। जनता शोषक सरकारों की तमाम दमन योजनाओं को धूल चटा देगी।

रामन्ना
सचिव,
दण्डकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी
भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी)